रामायण और महाभारत के महापात्र

अर्थ बोध

माता-पिता की सेवा से बढ़कर संसार में कुछ नहीं है जिसने माता-पिता की सेवा कर ली उसने संसार में सब कुछ पा लिया। श्रवण कुमार नाम मातृ-पितृ भक्ति के लिए सदा ही सम्मान से लिए जाता है। इसी प्रकार महाभारत के एक पात्र कर्ण को अपनी दानशीलता तथा मित्रता भक्ति के लिए जाना जाता है।

शब्दार्थ - मिसाल - उदाहरण।
आज्ञाकारी - आज्ञा मानने वाला
तीर्थाटन - तीर्थयात्रा
शब्द भेदी - ध्वनि के सहारे लक्ष्य को भेदना
क्षमा - माफी
आशंकित - शंका उत्पन्न होना
संतप्त - दुखी, अहंकार - घमंड
रणभूमि - युद्ध का स्थल
विमुख - अलग होना, स्मरण - याद करना

मौखिक

क) श्रवण कुमार का नाम किस मिसाल के रूप में लिया जाता है?

उ - श्रवण कुमार का नाम पितृ-मातृ भक्ति के मिसाल के रूप में लिया जाता है।

ख) श्रवण के माता-पिता ने कहाँ जाने की इच्छा प्रकट की?

उ - श्रवण के माता-पिता ने तीर्थ-यात्रा पर जाने की इच्छा प्रकट की।

Date
Page

ग) श्रवण कमंडल लिए कहाँ गया ?
उ श्रवण कमंडल लिए पास मे बह रही नदी से जल लाने के लिए गया।
घ कर्ण किसलिए प्रसिद्ध था ?
उ. कर्ण दानशीलता और मित्र भक्ति के लिए प्रसिद्ध थे।
ङ.) ब्राह्मण वेष मे कर्ण के पास कौन गया ?
उ - ब्राह्मण वेष में कर्ण के पास कृष्ण और अर्जुन गए।

लिखित

क) श्रवण का वैवाहिक जीवन सफल नहीं रहा।
ख) माता - पिता को एक-एक टोकरी मे बिठा लिया।
ग आवाज को सुनकर उन्होंने शब्द भेदी तीर मारा।
घ - रणभूमि में घायल कर्ण ने ब्राह्मण को प्रणाम किया।
ङ.) अर्जुन भी कर्ण सामने नतमस्तक हो गए।

2) सही और गलत का निशान लगाइए
क) श्रवण का पूरा ध्यान माता-पिता की सेवा में था। [✓]
ख) श्रवण ने छोटा-सा कांवर बनाया। [✗]
ग) दशरथ जल लेकर श्रवण के माता-पिता के पास पहुंचे। [✓]
घ बचपन में ही कर्ण को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। [✓]
ङ. दानवीरता के लिए अर्जुन आज भी याद किए जाते हैं। [✗]

3) क) श्रवण ने माता-पिता को तीर्थयात्रा करवाने के लिए क्या प्रबंध किया?

उ - श्रवण को अपने अंधे माता-पिता को तीर्थयात्रा करवाने के लिए एक उपाय सूझा, उसने दो बड़ी बड़ी टोकरियाँ ली, उन्हें मजबूत लाठी के दोनों सिरों पर रस्सी से बाँधकर लटका दिया, इस तरह बड़ा कांवर बन गया और इस प्रकार श्रवण ने माता पिता को तीर्थयात्रा करवाने के लिए प्रबंध किया।

ख) पुत्र शोक में व्याकुल माता-पिता ने क्या किया?

उ - पुत्र शोक में व्याकुल माता-पिता ने जल ग्रहण बंद किया और दशरथ को दशरथ को पुत्र शोक से संतप्त होने का श्राप भी दिया। श्रवण की याद में उन्होंने प्राण त्याग दिया।

ग) कर्ण ने दान में अपने सोने के दाँत दिया, क्योंकि जब रणभूमि में ब्राह्मण बने श्री कृष्ण ने भिक्षा माँगी और कहा कि कौन हमारी इच्छा पूर्ण करे, तब कर्ण ने पास पड़े पत्थर से दाँत तोड़े और गंगा माँ का स्मरण कर उसी पानी से दाँत धोकर ब्राह्मणों को दिया ताकि दान झूठा न रहे।

4) क) राजा दशरथ द्वारा जल लेकर जाने के दृश्य को अपने शब्दों में लिखिए।

उ - राजा दशरथ से अनजाने में अपराध हुआ था, उन्होंने श्रवण से बार-बार माफी माँगी। श्रवण ने राजा दशरथ को ~~पुत्र शोक से संतप्त~~ अपनी

प्यासी माँ की बात बताई और कहते-कहते श्रवण ने अपने प्राण त्याग दिए। राजा दशरथ जल लेकर जैसे ही श्रवण के माता-पिता के पास पहुँचे तब वे राजा के पैरों की आहट से समझ गए कि कोई अनजान व्यक्ति है। अंत में राजा दशरथ मजबूर हो गए तथा सारी घटना का वर्णन कर दिया। पुत्र शोक में व्याकुल माता-पिता ने जल ग्रहण नहीं किया और राजा दशरथ को पुत्र शोक में संतप्त होने का श्राप भी दिया। अतः इस प्रकार श्रवण की याद में उसके माता-पिता प्राण त्याग दिए।

ख) कर्ण ने घायल होने के बाद भी अपनी दानशीलता किस प्रकार दिखाई? इस आधार पर कर्ण के चरित्र की कुछ विशेषताएँ भी लिखिए।

उ कर्ण घायल होने के बावजूद भी अपनी दानशीलता दिखाई क्योंकि कर्ण का नाम महाभारत के महापात्र जो कि संसार के समक्ष अपनी दानशीलता और मित्र भक्ति के लिए प्रसिद्ध है। कर्ण बचपन में योग्य होने के बावजूद भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। कर्ण अपनी दानवीरता के लिए प्रसिद्ध था। कवचकुंडल का दान करके वह महान कहलाया। दुर्योधन के मित्र प्रेम के लिए उसने अपने भाइयों को ठुकराया। अंत में रणभूमि में घायल होने के बावजूद भी उसने श्री कृष्ण के भिक्षा माँगने पर

पास पड़े हुए पत्थर से अपने सोने के दाँत को तोड़कर दान में दे दिया। जब श्रीकृष्ण ने कर्ण को आशीर्वाद दिया कि जब तक सूर्य, चंद्र, और तारे रहेंगे, तब तक तीनों लोकों में तुम दानवीर कहलाओगे, तुम्हारा गुणगान होता रहेगा। अब तुम मोक्ष प्राप्त करोगे।

भाषा ज्ञान

१. वचन बदलिए

क. रेलगाड़ी - रेलगाड़ियाँ (ग) लाठी - लाठियाँ

ख टोकरी - टोकरियाँ घ) कंधा - कंधे

ङ तारा - तारे च) बूढ़े - बूढ़ा

२. काम शब्द में ई जोड़ने पर कामी शब्द बनता है।

उसी प्रकार

क. शिकार - शिकारी घ) दान + दानी

ख. प्यास - प्यासी ङ) भक्त - भक्ति

ग. दुख - दुखी च) होना - होनी

३) निम्नलिखित शब्द युग्मों से वाक्य बनाइए।

क- माता - पिता - हमें अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

ख) बड़ी - बड़ी - श्रवण कुमार ने दो बड़ी-बड़ी टोकरियों से एक बड़ा काँवर बनाया।

ग) कहते - कहते - तीर लगने पर श्रवण कुमार राजा दशरथ से अपने माता - पिता की बात कहते -कहते प्राण त्याग दिए।

घ कवच - कुंडल → कवच और कुंडल दान करने के कारण कर्ण दानवीर कहलाते हैं।

ङ एक - एक - श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को यात्रा करवाने के लिए मजबूत लाठी के दोनों सिरों पर एक-एक टोकरी बाँधकर लटका दिया।